

# पहली काउंसिलिंग में उमड़ी विद्यार्थियों की भीड़

दिव्यांग की चार सीटें हैं खाली, 13 जुलाई को होने वाली दूसरी काउंसिलिंग में इन सीटों पर दाखिले होंगे

जागरण संवाददाता हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में द्यूल डिग्री कोर्स की सोमवार को हुई पहली काउंसिलिंग में सभी सीटें भर गई हैं। दाखिले के लिए हुई इस काउंसिलिंग में भारी संख्या में आए विद्यार्थी खूब उत्साहित नजर आए। वहीं दाखिले से चर्चित विद्यार्थियों को मायूसी के साथ घर लौटना पड़ा। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार अगर किसी कोर्स में विद्यार्थी सीट छोड़ देता है या समय पर फीस नहीं भर पाता तो उसकी खाली हुई सीट को दूसरी काउंसिलिंग में भरा जाएगा। इससे पहले खाली सीटों की सूचना वेबसाइट पर डाली जाएगी। इसके बाद 13 जुलाई को होने वाली दूसरी काउंसिलिंग में इन सीटों पर दाखिले होंगे। सोमवार को यह काउंसिलिंग सुबह 10 बजे चौधरी रणबीर सिंह ऑडिटोरियम में शुरू हुई थी, जो देर शाम 7 बजे तक चली। इस दौरान विश्वविद्यालय प्रशासन के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय कैम्पस स्थित बैंक भी खुला रहा। ये दाखिले बीएससी कैमिस्ट्री, बीएससी फिजिक्स, बीएससी मैथ्येमेटिक्स व बीएससी बायोटेक्नोलॉजी के द्यूल डिग्री कोर्स की 35-35 सीटों पर लिए गए हैं।

**बीएससी कैमिस्ट्री में न्यूनतम 57 अंकों वाले विद्यार्थियों को दाखिला :** विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा काउंसिलिंग में सामान्य श्रेणी के 32 से अधिक अंकों वाले विद्यार्थियों को बुलाया गया था। लेकिन बीएससी कैमिस्ट्री में न्यूनतम 57 अंक तक का ही दाखिला हो सका। वहीं एससी श्रेणी में 37, बीसीए श्रेणी में 52, बीसीबी श्रेणी में 44 अंकों और सिगल गर्ल चार्ल्ड श्रेणी में न्यूनतम 42 अंकों तक के विद्यार्थियों को दाखिला दिया गया।

.....तो सामान्य श्रेणी में बदली जाएगी सीटें : विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार चारों कोर्सों में फिजिकल हैंडिकेपड की एक एक सीट है। लेकिन इन सीटों पर पहली काउंसिलिंग में कोई विद्यार्थी दाखिले के लिए नहीं आया। अगर तीसरी काउंसिलिंग तक इन सीटों पर कोई विद्यार्थी दाखिले के लिए नहीं आया तो इसके बाद इन सीटों को सामान्य श्रेणी में बदल चौथी काउंसिलिंग की जाएगी और दाखिले लिए जाएंगे। तीसरी काउंसिलिंग 27 जुलाई को होगी।



प्रथम काउंसिलिंग के दौरान पहुंचे विद्यार्थी • जागरण

**न्यूनतम इन अंकों वाले विद्यार्थियों को हुए दाखिले**

कोर्स	सामान्य श्रेणी	एससी श्रेणी	बीसीए	बीसीबी	सिगल गर्ल चार्ल्ड
बीएससी कैमिस्ट्री	57	37	52	44	42
बीएससी फिजिक्स	49	34	40	41	35
बीएससी मैथ्येमेटिक्स	47	35	41	39	40
बीएससी बायोटेक्नोलॉजी	50	37	45	38	38



पहली काउंसिलिंग बेहद शांतिपूर्ण ढंग से हुई। हमारी सभी सीटें भर गई हैं। केवल फिजिकल हैंडिकेपड की सीटें खाली हैं। इन सीटों पर कोई विद्यार्थी नहीं आया तो इन्हें सामान्य श्रेणी में बदल काउंसिलिंग की जाएगी। - डा. जेबी दहिया, एडमिशन कोऑर्डिनेटर, जीजेयू हिसार।



प्रथम काउंसिलिंग के दौरान अपने कामजात की जांच करवाते हुए विद्यार्थी • जागरण



काउंसिलिंग के लिए आए विद्यार्थी • जागरण

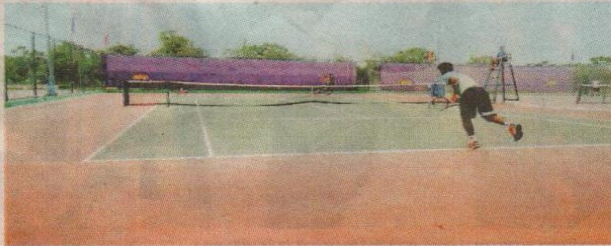
द्वितीय काउंसिलिंग - 13/7/17

# वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम के लिए चुने गए एसवाई रेडी

जागरण संवाददाता हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में वर्ल्ड टेनिस गेम के ट्रायल के पहले दिन हुए गेम में कुल 10 लीग मैच हुए। जिनमें देशभर के तीन विश्वविद्यालयों के शीर्ष खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। ट्रायल के दौरान तीनों विश्वविद्यालयों के कुल 7 खिलाड़ी आए, जिनमें से एसवी यूनिवर्सिटी तिरुपति के देश के 52वें रैंक के खिलाड़ी एसवाई रेडी को सीधा सिलेक्ट कर लिया गया। वहीं बाकि 6 खिलाड़ियों के लीग मैच करवाए गए। विजेता खिलाड़ियों के फाइनल मैच बुधवार सुबह 7 बजे होंगे।

कुल 4 खिलाड़ियों का चयन विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय टेनिस खेल के लिए किया जाएगा। ये खेल 19 अगस्त से 30 अगस्त तक चीन के ताईपेइ में आयोजित किए जाएंगे। इससे पहले जीजेयू में लड़कियों के हुए ट्रायल में नोर्थ गुजरात यूनिवर्सिटी पाटन की खिलाड़ी ईती महता प्रथम स्थान पर रही थीं। ईती महता ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन की महिला रैंकिंग में छठे स्थान पर है।

जीजेयू के स्पोर्ट्स डायरेक्टर डा. एसबी लूथरा ने बताया कि मंगलवार को हुए लीग मैचों में पंजाब यूनिवर्सिटी के युवराज सिंह ने एमडीयू रोहतक के सुनील को 6-3 से मात दी। वहीं एमडीयू के पारस ने एमडीयू के अनुज को 6-1 और सुनील को 6-5 से से शिकस्त दी। इसके अलावा एमडीयू के अमित ने एसवी यूनिवर्सिटी के खिलाड़ी रेमंड को 6-3 से और एमडीयू के सुनील को 6-5 से हराया। पीयू चंडीगढ़ के युवराज ने एसवी यूनिवर्सिटी के रेमंड को 6-3 से और एमडीयू के अमित ने एमडीयू के ही अनुज को 6-4 से मात दी। एमडीयू के सुनील ने अनुज को 6-3 और रेमंड को 6-2 से शिकस्त दी।



जीजेयू के टेनिस कोर्ट में ट्रायल के लिए टेनिस खेलता खिलाड़ी।

विश्वविद्यालय में ही लगेगा कैंप डा. लूथरा ने बताया कि भारतीय खेल महासंघ द्वारा टेनिस टीम के चयन और कैंप आयोजित करने की जिम्मेदारी गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय को सौंपी थी। विश्वविद्यालय ने इसके लिए 6 से 8 जून तक ट्रायल लिया था। जिसमें केवल लड़कियों के ट्रायल लिए गए। केवल चार लड़कों के ट्रायल के लिए आने के कारण ट्रायल को स्थगित कर दिया गया। अब विश्वविद्यालय ने दूसरी बार ट्रायल लिया है, जिसमें 7 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। महासंघ द्वारा चयन समिति में अर्जुना अयाडी डा. दलेल सिंह चौहान, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के खेल निदेशक डा. डीएस काला, पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ के टेनिस कोच बीरबल वडेरा, टेनिस कोच निखिल हुड्डा व जीजेयू के खेल निदेशक डा. एसबी लूथरा को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि चयनित सभी खिलाड़ियों का प्रशिक्षण शिविर एक अगस्त से 15 अगस्त तक विश्वविद्यालय में लगेगा।



# जीजेयू में हुई प्रवेश परीक्षा परिणाम आज होगा घोषित

अमर उजाला ब्यूरो  
हिसार

जीजेयू द्वारा स्नातक व स्नातकोत्तर में दाखिले हेतु प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा में पारदर्शिता लाने हेतु विडियोग्राफी भी करवाई गई। शैक्षणिक मामलों के अधिष्ठाता प्रो. राजेश मल्होत्रा ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी, बैचलर ऑफ फार्मसी, बैचलर ऑफ फार्मसी द्वितीय वर्ष (लीट), मास्टर ऑफ फिजियोथेरेपी, एमएससी साइबलॉजी, एमएससी पर्यावरण विज्ञान तथा एमएससी फूड टेक्नोलॉजी कोर्सिंग में दाखिले हेतु प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई।



हेल्प डेस्क से अभ्यर्थियों की सहायता करते स्वयंसेवक। अमर उजाला

## एनएसएस में लगाया हेल्प डेस्क

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की सहायता हेतु राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा दो हेल्प डेस्क लगाए गए। हेल्प डेस्क के माध्यम से अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्र से सम्बंधित परेशानियों को दूर किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना सचिव कृ. डा. सुजाता नाथी ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा लगाए गए हेल्प डेस्क में 20 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

## एमटेक फूड टेक्नोलॉजी के लिए प्रवेश परीक्षा स्थगित

हिसार। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा एमटेक फूड टेक्नोलॉजी में दाखिले लाने हेतु प्रवेश परीक्षा की तिथि 14 जुलाई को आयोजित की जाएगी। जबकि पहले यह परीक्षा 13 जुलाई को निर्धारित की गई थी। डा. पुंडीर ने बताया कि यह परीक्षा 14 जुलाई को सुबह 09:30 से 11:00 बजे तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा परिणाम व काउंसिलिंग की तिथियों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

काउंसिलिंग 20 जुलाई को होगी। उन्होंने लिए पहली काउंसिलिंग 27 जुलाई को बताया कि मास्टर ऑफ फिजियोथेरेपी के आयोजित की जाएगी।

प्रवेश परीक्षा हेतु विश्वविद्यालय के सम्बंधित विभागों में परीक्षा केन्द्र बनाए गए। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं का परिणाम 7 जुलाई को घोषित किया जाएगा। विद्यार्थी प्रवेश परीक्षा की मरिट के आधार पर विश्वविद्यालय में चल रहे विभिन्न कोर्सिंग में दाखिले ले सकेंगे। उन्होंने बताया कि बैचलर ऑफ फार्मसी, बैचलर ऑफ फार्मसी द्वितीय वर्ष (लीट), एमएससी साइबलॉजी, एमएससी पर्यावरण विज्ञान तथा एमएससी फूड टेक्नोलॉजी में दाखिले हेतु पहली काउंसिलिंग 13 जुलाई को आयोजित की जाएगी। वहीं काउंसिलिंग 21 जुलाई को होगी। वहीं बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी में दाखिले के लिए पहली काउंसिलिंग 14 जुलाई व दूसरी

अमर उजाला - 7/7/17

# कंप्यूटर जीवन के लिए बहुत आवश्यक : अरोड़ा



शिविर में भाग लेने वाले वरिष्ठ नागरिकों के साथ प्रो. केसी अरोड़ा, कुलसचिव एके पुंडीर, अन्य।

हिसार (ब्यूरो)। समाज की उन्नति और विकास में वरिष्ठ नागरिकों की अहम भूमिका होती है। यह बात विश्वविद्यालय की कार्यकारिणी परिषद के सदस्य प्रो. केसी अरोड़ा ने विश्वविद्यालय के कंप्यूटर सेंटर के सौजन्य से वरिष्ठ नागरिकों हेतु आयोजित निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि कही। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर भी उपस्थित रहे। कुलसचिव डॉ. पुंडीर ने कहा कि निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण शिविर वरिष्ठ नागरिकों को आज के तकनीकी युग के साथ जोड़ने का कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि कंप्यूटर हमारे जीवन के लिए बहुत आवश्यक है। आज किराना स्टोर, पेट्रोल पंप

और रेस्टोरेंट से लेकर बड़ी कंपनियां नकदी रहित व्यापार कर रही है। बैंकिंग क्षेत्र भी डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा दे रहा है। यात्रा टिकट से लेकर होस्पिटल एपॉइंटमेंट सहित हर सुविधाएं ऑनलाइन प्राप्त हो रही है। विश्वविद्यालय द्वारा वरिष्ठ नागरिकों हेतु प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। कंप्यूटर सेंटर के प्रमुख मुकेश अरोड़ा ने बताया कि निःशुल्क मासिक प्रशिक्षण शिविर में बरवाला, हांसी व आदमपुर सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों के 33 वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लिया। कंप्यूटर प्रशिक्षण शिविर में भाग ले रहे वरिष्ठ नागरिक जयपाल शर्मा, डॉ. पृथ्वी सिंह सांगवान, एमएल बिशनौर, सुबे सिंह सांगवान, सीताराम जांगड़ा, नथू राम आर्य ने विचार रखे।

# जीजेयू में हर गतिविधि पर होगी 104 कैमरों की नजर

जागरण संवाददाता हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए विश्वविद्यालय में आईपी बेस्ड कैमरे लगाने शुरू हो गए हैं। विश्वविद्यालय के मैन गेट सहित विश्वविद्यालय के सभी भवनों के मुख्य द्वारों पर ये कैमरे लगाए जा रहे हैं, ताकि विश्वविद्यालय व भवनों में हर आने जाने वाले कड़ी नजर रखी जा सके।

जीजेयू में विद्यार्थियों के बीच होने वाले झगड़ और बाहरी असामाजिक तत्वों के शामिल होने से विश्वविद्यालय की छवि धूमिल होती जा रही थी। इसलिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने पूरे कैम्पस को आईपी कैमरों की निगरानी में रखने का निर्णय लिया। पिछले वर्ष विश्वविद्यालय के सभी टीएचएम ब्लॉक, हॉस्टल, प्रशासनिक भवन के मुख्य द्वारों पर कैमरे लगाने का फैसला किया। कुल 104 कैमरे लगाए जाने हैं। सिटी गेट पर लो लेवल पर भी कैमरे लगाए गए हैं, ताकि विश्वविद्यालय में आने वाले हर वाहन की नंबर प्लेट तक पर कैमरों की निगाह रहे।

## सुरक्षा व्यवस्था

- 104 कैमरे लगाने की प्रक्रिया अंतिम दौर में
- जुलाई के अंत तक प्रक्रिया होगी पूरी

## सिक्वोरिटी ऑफिस से रखी जाएगी नजर

इन कैमरों की मॉनिटरिंग विश्वविद्यालय के सिक्वोरिटी ऑफिस से की जाएगी। ये सभी कैमरे नेटवर्किंग बेस्ड होंगे, जो बिना इंटरनेट के नहीं चलेगे। इंटरनेट के माध्यम से विश्वविद्यालय प्रशासन कहीं से भी विश्वविद्यालय में होने वाली गतिविधियों पर नजर रख सकेगा।

इस महीने के अंत तक सभी कैमरे लगाने का काम पूरा कर लिया जाएगा। इससे हर गतिविधि पर नजर रखी जा सकेगी। सिटी गेट पर लो लेवल कैमरों के अलावा गेट के बाहर व अंदर टॉवर पर भी कैमरे लगाए जा रहे हैं। विपिन, सिरस्टम मैनजर, जीजेयू।

ईजिक जागरण - 18/7/17

# 1986 विद्यार्थियों ने दी परीक्षा

जागरण संवाददाता हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में सोमवार को एमएससी फिजिक्स, एमएससी मैथेमेटिक्स, शैक्षणिक सत्र 2017-18 के लिए एमएससी बायोटेक्नोलॉजी (केवल हरियाणा के एएससी व बीसी कैटेगरी के विद्यार्थियों हेतु) एमएससी माइक्रोबायोलॉजी की प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई। जिसमें कुल 1986 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। परीक्षा में पारदर्शिता लाने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा वीडियोग्राफी भी करवाई गई। प्रवेश परीक्षा के लिए कुल 2900 विद्यार्थियों ने आवेदन किया था।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे, जिनमें शांतिपूर्ण ढंग से परीक्षा संपन्न हुई। उन्होंने बताया कि एमएससी मैथेमेटिक्स की परीक्षा सुबह साढ़े 9 बजे 11 बजे तक हुई।



## आज इनकी होगी प्रवेश परीक्षा

विश्वविद्यालय में मंगलवार को विपिन कोर्सिंग में दाखिले हेतु प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। जिनमें एमएससी जन संचार, एमएससी कैम्पेस्ट्री, एम. फार्मास्यूटिकल व एमटेक में दाखिले हेतु 11 जुलाई को प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। जिनका परीक्षा परिणाम 12 जुलाई को घोषित किया जाएगा।

इस परीक्षा में 773 विद्यार्थियों ने भाग लिया। वहीं एमएससी बायोटेक्नोलॉजी/एमएससी माइक्रोबायोलॉजी तथा एमएससी फिजिक्स की परीक्षा दोपहर 12 बजे से डेढ़ बजे तक आयोजित की गई। एमएससी बायोटेक्नोलॉजी/एमएससी माइक्रोबायोलॉजी में 363 अभ्यर्थी तथा एमएससी फिजिक्स में 850 अभ्यर्थियों ने प्रवेश परीक्षा में भाग लिया।

आज आगामी परिणाम : कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं का परिणाम 11 जुलाई को घोषित

किया जाएगा। विद्यार्थी अपना परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर देख सकते हैं। एमएससी बायोटेक्नोलॉजी तथा एमएससी माइक्रोबायोलॉजी में दाखिले हेतु पहली काउंसिलिंग 13 जुलाई को आयोजित की जाएगी। एमएससी मैथेमेटिक्स तथा एमएससी फिजिक्स में दाखिले हेतु पहली काउंसिलिंग 14 जुलाई को तथा दूसरी काउंसिलिंग 21 जुलाई को होगी। उन्होंने बताया कि विद्यार्थी प्रवेश परीक्षा की मरिट के आधार पर दाखिले ले सकेंगे।

ईजिक जागरण - 11/7/17



साठ साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को इंटरनेट, व्हाट्स एस की दी जाएगी ट्रेनिंग

# जीजेयू सीनियर सिटीजंस के लिए शुरू करेगा छह माह का टेक्नोलॉजी कोर्स

हिसार | वरिष्ठ नागरिकों को युवाओं की तरह आधुनिक टेक्नोलॉजी से रूबरू करवाने के लिए जीजेयू छह महीने का कोर्स शुरू करने जा रहा है। इस कोर्स के जरिये वरिष्ठ नागरिकों को कंप्यूटर इंटरनेट समेत आधुनिक गैजेट की जानकारी दी जाएगी। जिससे उनकी जिंदगी आसान होगी। इस कोर्स में अधिकतर समय प्रैक्टिकल ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके बाद वरिष्ठ नागरिकों को बाकायदा सर्टिफिकेट भी दिए जाएंगे। ट्रेनिंग के बाद वरिष्ठ नागरिकों को कंप्यूटर, स्मार्टफोन आदि के इस्तेमाल के लिए आत्मनिर्भर हो जाएंगे। जीजेयू के कोर्स में 60 साल से अधिक आयु वर्ग के लोगों को ट्रेनिंग का मौका मिलेगा। हालांकि अभी जीजेयू द्वारा कोर्स में सीटों की संख्या निर्धारित नहीं की गई है।

## नाममात्र होगी फीस

जीजेयू में वरिष्ठ नागरिकों के लिए बहुत कम फीस में यह कोर्स करवाए जाएंगे। कोर्स के अनुसार प्रतिदिन 2 घंटे की कक्षाएं लगाई जाएंगी। इसमें वरिष्ठ नागरिकों को इंटरनेट, ई-मेल करने, वीडियो कॉन्फ्रेंस, व्हाट्स एप, इंस्टाग्राम, स्मार्टफोन का प्रयोग, सोशल नेटवर्किंग साइटों के प्रयोग, कंप्यूटर के बारे में प्रैक्टिकल ट्रेनिंग दी जाएगी। रजिस्ट्रार अनिल कुमार पुंडीर ने बताया कि वरिष्ठ नागरिकों को इंटरनेट के जमाने में युवाओं से किसी तरह से पीछे नहीं रहेंगे। जल्द ही बैठक कर सीटें तय की जाएंगी।

इतिवृत्त भास्कर - 21/7/17

## इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी संकाय द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित विद्यार्थियों में कौशल विकास की भी जरूरत : प्रो. टंकेश्वर

हिसार, 21 जुलाई (का.प्र.): आज की प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में विद्यार्थियों को कितनी ज्ञान के साथ-साथ कौशल विकास की भी आवश्यकता है। विद्यार्थियों के समग्र विकास में परिणाम आधारित शिक्षा की भूमिका को समझते हुए उनके कौशल विकास में उत्कृष्टता हासिल करने हेतु प्रशिक्षित करना बहुत जरूरी है, ताकि विद्यार्थियों को रोजगार के लिए सक्षम बनाया जा सके।

यह बात विश्वविद्यालय के प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी संकाय द्वारा आयोजित परिणाम आधारित शिक्षा पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला के शुभारम्भ अवसर पर कही। प्रो. कुमार ने कहा कि परिणाम आधारित

शिक्षा के आधार पर वे अच्छे समाज के साथ-साथ भारत को दुनिया में सबसे अच्छा राष्ट्र बनाने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय परिचर्चा (एन.बी.ए.), राष्ट्रीय आकलन और प्रत्यायन परिषद (एन.ए.ए.सी.) सहित सभी संस्वीकरण एजेंसियों ने सभी संस्थानों द्वारा परिणाम आधारित शिक्षा मॉडल को आगे बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित किया है। सरकारी वित्तपोषण एजेंसियों द्वारा राज्य के शैक्षणिक संस्थानों में परिणाम आधारित शिक्षा (ओ.बी.ई.) के विस्तार हेतु गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिंसार को नियुक्त किया गया है। कार्यशाला के मुख्य वक्ता



कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर

वाई.एम.सी.ए. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के प्रो. संदीप ग्रोवर ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में विद्यार्थियों को रोजगार देने वाली कम्पनियों व सरकारी विभागों द्वारा विद्यार्थियों को उनकी परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर नहीं चुना जाता बल्कि उनके कौशल,

समझ और सम्बन्धित क्षेत्र की उत्कृष्टता के आधार पर चुना जाता है। फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. योगेश चाबा ने कहा कि विश्वविद्यालय के सभी इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के पाठ्यक्रम को पहले सही परिणाम आधारित शिक्षा मॉडल में संशोधित किया गया है।

पंजाब हिंसरी हिंसार - 21/7/17

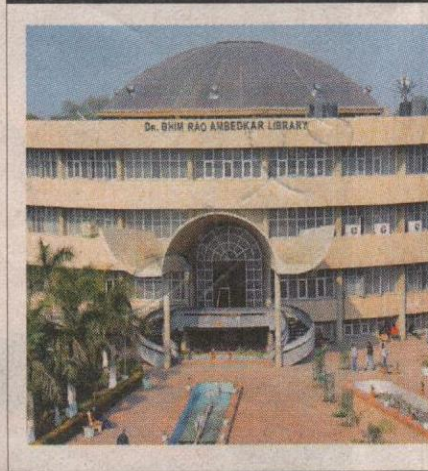


# पीजी डिप्लोमा इन टेक्सेशन में पढ़ाया जाएगा जीएसटी

जागरण संवाददाता हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा विभाग द्वारा चलाए जा रहे पीजी डिप्लोमा इन टेक्सेशन के सिलेबस में बदलाव किया जाएगा। देश में जीएसटी लागू होने के बाद इस कोर्स के सिलेबस में बदलाव करने का निर्णय लिया गया है। इस एक वर्षीय कोर्स में सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी, इंडियन कस्टम टैक्स, इंडियन सेल टैक्स आदि विषय पढ़ाए जाते हैं। विश्वविद्यालय में डिस्टेंस एजुकेशन में दाखिले 16 जून को शुरू हो गए थे, जो 30 सितंबर तक चलेंगे।

विश्वविद्यालय के डिस्टेंस शिक्षा विभाग के डिप्टी डायरेक्टर डा. संजय तिवारी ने बताया कि विश्वविद्यालय में यही एकमात्र ऐसा कोर्स है, जिसका सिलेबस जीएसटी के कारण बदला जा रहा है। हालांकि इस कोर्स में बहुत अधिक बदलाव की जरूरत नहीं है। उन्होंने बताया कि जीएसटी में अलग अलग तरह के टैक्स, वैट आदि को एक ही टैक्स में शामिल कर दिया गया है। इसलिए अब भविष्य में गुड्स सेल्स एंड सर्विस से संबंधित सिलेबस ही पढ़ाया जाएगा।

विद्यार्थियों को नए सिलेबस की किताबें भेजी जाएगी : डिस्टेंस से पीजी डिप्लोमा इन टेक्सेशन में विद्यार्थी 30 सितंबर तक दाखिला ले सकते हैं। इसके बाद विश्वविद्यालय के डिस्टेंस शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों को किताबें भेजी जाएंगी। ये किताबें नए सिलेबस



## एमफार्मा, एमबीए की दूसरी काउंसिलिंग आज

विश्वविद्यालय में एमफार्मा और एमबीए की दूसरी काउंसिलिंग सोमवार को होगी। यह काउंसिलिंग सुबह 10 बजे शुरू हो जाएगी। इसके अलावा एमसीए लीट की दूसरी काउंसिलिंग भी सोमवार को होगी। वहीं एमकॉम व एमएससी इकोनॉमिक्स की दूसरी काउंसिलिंग 25 जुलाई होगी। बीएससी ड्यूल डिग्री कोर्स की तीसरी काउंसिलिंग 27 जुलाई को होगी।

के अनुरूप होगी। डा. तिवारी ने बताया कि 30 अगस्त तक सिलेबस बदलने का काम पूरा कर लिया जाएगा।

डिस्टेंस के 16 कोर्स में होंगे 8 हजार दाखिले : विश्वविद्यालय के डिस्टेंस विभाग द्वारा 16 कोर्स करवाए जाते हैं। जिनमें एमबीए, एमसीए, एमसीए पंचवर्षीय, एमएससी कंप्यूटर साइंस, एमए मांस कम्युनिकेशन, बीए मांस कम्युनिकेशन, एमएससी मैथमेटिक्स, बीबीए, एमकॉम आदि कोर्स शामिल हैं। इसके अलावा विद्यार्थी पीजी डिप्लोमा के विभिन्न कोर्सों जैसे

पीजी डिप्लोमा इन एडवर्टाइजिंग एंड पीआर, पीजी डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन, पीजी डिप्लोमा इन टेक्सेशन, पीजी डिप्लोमा इन एनवायरमेंटल मैनेजमेंट, पीजी डिप्लोमा इन बेकरी साइंस एंड टेक्नोलॉजी, पीजी डिप्लोमा इन काउंसिलिंग बिहेवियर मोडिफिकेशन, पीजी डिप्लोमा इन इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट में दाखिला ले सकते हैं। दाखिले के लिए अंतिम तिथि 30 सितंबर है। विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा विभाग में हर वर्ष करीब 8 हजार विद्यार्थी दाखिला लेते हैं।

*Mishra  
D-E*

*IV  
25/7/17*

# सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना होगा : डा. पुंडीर

हिसार, 24 जुलाई (का.प्र.): गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी वि.वि. के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि शिक्षक की महानता को सिद्ध करने का एकमात्र मापदंड उसके विद्यार्थी हैं। शिक्षकों को चाहिए की वे अपने विद्यार्थियों को महान बनाएं ताकि उन्हें भी महान शिक्षक की श्रेणी में रखा जा सके। डा. पुंडीर मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा अंतर विषय इतिहास एवं राजनीतिक विज्ञान विषय पर आयोजित रिफ्रेशर कोर्स के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मानव संसाधन विकास केंद्र के नवनियुक्त निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने की। विषय समन्वयक डा. वंदना पूनिया तथा अनुलग सांगवान रहे। डा. पुंडीर

ने कहा कि इतिहास समाज के लिए अत्यंत उपयोगी विषय है। यह विषय हमें अपने महान देशभक्तों और महान व्यक्तित्वों के साथ जोड़ता है। इतिहास से हम वर्तमान व भविष्य को बेहतर बनाने के लिए नीतियां, विचार और सिद्धांत ले सकते हैं। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें तथा अपने समाज को अपने शिक्षण संस्थान के कौर ग्रुप के साथ जोड़कर सार्वजनिक कार्यों में अपना योगदान दें। प्रो. नीरज दिलबागी ने कहा कि शिक्षक समाज में एक जिम्मेदार ज्ञान उत्पन्न करने वाला तथा ज्ञान बांटने वाला ज्ञान संवाहक है। भारत महान शिक्षकों के दम पर ही विश्व में शिरोमणि रहा है। राजनीतिक इच्छा शक्ति और इतिहास के ज्ञान के बिना विज्ञान एवं तकनीक भी उन्नति नहीं कर सकते।



कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए वि.वि. कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर व एच.आर.डी.सी. निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे समाज को सकारात्मक सर्जनात्मक एवं विकासोन्मुखी सोच की तरफ ले जाने में अपना योगदान दें। विषय समन्वयक डा. वंदना पूनिया ने कहा कि 3 सप्ताह तक चलने वाला यह कोर्स प्रतिभागियों के लिए अत्यंत उपयोगी है। राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संदर्भ में इस कार्य की उपयोगिता है। विषय समन्वयक अनुलग सांगवान ने मंच संचालन किया तथा स्वागत प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस दौरान विभिन्न शिक्षक संस्थानों से 30 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

*पंजाब कैसरी हिसार- 25/7/17*



# हिसार ज्ञान हब संगठन का गठन बच्चों में वैज्ञानिक सोच करेंगे पैदा

नौ अग्रणी विश्वविद्यालय और शिक्षण संस्थानों ने मिलकर किया गठन



बैठक में भाग लेते गुजवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, हकृवि के कुलपति प्रो. केपी सिंह और अन्य। अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार।

हिसार के नौ अग्रणी विश्वविद्यालय और शिक्षण संस्थानों ने मिलकर हिसार ज्ञान हब के नाम से एक संगठन का गठन किया है। संगठन का मुख्य उद्देश्य सभी संस्थाओं के साथ मिलकर शोध, शिक्षण, प्रशिक्षण और अन्य गतिविधियों को बढ़ावा देना है।

हिसार ज्ञान हब की बैठक वीरवार को गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार में कुलपति के सभा कक्ष में आयोजित की गई। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस अवसर पर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. केपी सिंह और विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस संगठन तहत शोधार्थियों में वैज्ञानिक सोच को पैदा करना और ई-गवर्नेंस को बढ़ावा देना है। इसके साथ कृषि, भोजन विज्ञान, पशुपालन विज्ञान, जीव चिकित्सा तथा भौतिक विज्ञान आदि क्षेत्रों में शोध व शिक्षण कार्यों को बढ़ावा दिया जाएगा। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने सुझाव दिया कि सबसे पहले पुस्तकालय से कार्य शुरू करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत एक उपकरणों की कब्रगाह बनता जा रहा है। 90 प्रतिशत उपकरण बिना प्रयोग किए संस्थानों में रखे हुए हैं। हमें इन उपकरणों के प्रयोग के लिए भी विद्यार्थियों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों को प्रेरित करना चाहिए। यह किए गए शामिल : मानव संसाधन



पौधा लगाते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। अमर उजाला

## स्वयंसेवकों ने लगाए 100 पौधे

हिसार (ब्यूरो)। पेड़-पौधे मानव के लिए उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितनी मानव शरीर के लिए सांसें। यह बात गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों से कही। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि मानव को ताजा हवा, ठंडा वातावरण और आक्सीजन देने का कार्य पौधों द्वारा किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना की समन्वयक प्रो. सुजाता सांधी ने बताया कि पौधरोपण कार्यक्रम में 120 स्वयंसेवकों ने भाग लिया और हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के पिछले हिस्से में 100 पौधे लगाए गए। इस अवसर पर कनिष्ठ अभियंता अशोक अहलावत, डॉ. विजेंद्र, डॉ. विजयपाल, डॉ. राजीव, डॉ. अनिल, डॉ. सुनील गोवर, डॉ. सुमन, डॉ. सुनीता, कवर सिंह, पालाराम, नरेश सहित अन्य स्वयंसेवक उपस्थित थे।

विकास केंद्र के निदेशक, विश्वविद्यालय के हिसार ज्ञान हब के समन्वयक प्रो. नीरज दिलबागी ने हिसार ज्ञान हब के बारे में अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि हिसार ज्ञान हब में विश्वविद्यालय के साथ लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार, चौधरी चरण सिंह, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान, राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र, हिसार, सेंटर फॉर प्लांट बायो

टेक्नोलॉजी, हकृवि, हिसार, महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज, अग्रोहा और एनआरएफएमटीटीआई, ट्रैक्टर ट्रेनिंग सेंटर, हिसार शामिल हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर, डॉ. आरसी यादव, डॉ. बीएन त्रिपाठी, डॉ. आरएस हुड्डा, डॉ. नवनीत सक्सेना, डॉ. एनके महाजन, डॉ. सीमा शर्मा, प्रो. संदीप कुमार आर्य और प्रो. एचसी गर्ग उपस्थित थे।

अमर उजाला 28/7/12



# विद्यार्थियों के कौशल विकास के लिए कार्यक्रम करेगा गुजवि

हिसार/28 जुलाई/रिपोर्टर

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार जिले के सभी महाविद्यालयों की शिक्षा में गुणवत्ता लाने के लिए विशेष कदम उठाएगा। विश्वविद्यालय महाविद्यालयों में अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों के कौशल विकास व अनुशासन के लिए समय-समय पर कार्यक्रमों का आयोजन करेगा। महाविद्यालयों व विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होने दी जाएगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार आज नए संबद्ध हुए महाविद्यालयों के प्राचार्यों व निदेशकों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर, डीन ऑफ



हिसार. बैठक को संबोधित करते हुए कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर।

कॉलेज प्रो. नरसी राम बिश्नोई व परीक्ष नियंत्रक प्रो. यशपाल सिंगला भी उपस्थित रहे। प्रो. कुमार ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा हिसार जिले के सभी महाविद्यालयों को गुजविप्रौवि के साथ जोड़ने का सहायक कदम उठाया गया है। इससे विद्यार्थियों के

साथ-साथ महाविद्यालयों को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय संबंधित महाविद्यालयों के लिए सुविधादाता के रूप में कार्य करेगा। विश्वविद्यालय शिक्षाविदों के साथ महाविद्यालयों के साथ मिलकर प्रशिक्षण व प्लेसमेंट गतिविधियों

को भी मजबूत बनाएगा। विश्वविद्यालय में उपलब्ध सभागार, खेल मैदान व विज्ञान प्रयोगशालाओं को आपस में साझा किया जाएगा। इसके अतिरिक्त शैक्षणिक सत्र के लिए पाठ्यक्रमों पर भी विचार-विमर्श किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार

पुंडीर ने कहा कि विज्ञान के क्षेत्र में शोध की अपार सम्भावनाएँ हैं। आज का युवा वर्ग विज्ञान के क्षेत्र में रुचि दिखा रहा है। विद्यार्थियों को सही मार्गदर्शन न मिलने के कारण वे रास्ता भटक रहे हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सही मार्गदर्शन, उनके कौशल विकास व अच्छी शिक्षा के लिए विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों को आपस में मिलकर कार्य करना होगा। विश्वविद्यालय के डीन ऑफ कॉलेज प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा संबद्ध महाविद्यालयों के औपचारिक स्वागत के लिए बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विभिन्न महाविद्यालयों से भाग ले रहे प्राचार्यों व निदेशकों ने भी अपने-अपने सुझाव रखे।

अश्वतीर - 28/7/17



## इतिहास एवं राजनीतिक विज्ञान पर रीफ्रेशर कोर्स

# विद्यार्थियों को महान बनाएं शिक्षक : पुंडीर

हरिद्वीप न्यूज हिंसार

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा अंतर

विषय इतिहास एवं राजनीतिक विज्ञान विषय पर रीफ्रेशर कोर्स कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर कुलसचिव डा. अनिल कुमार



उद्घाटन करते कुलसचिव डा. पुंडीर व एचआरडीसी निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी।

पुंडीर ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। डा. पुंडीर ने कहा कि शिक्षक की महानता को सिद्ध करने

का एकमात्र मापदण्ड उसके विद्यार्थी हैं। शिक्षकों को चाहिए की वह अपने विद्यार्थियों को महान बनाए ताकि

उन्हें भी महान शिक्षक की श्रेणी में रखा जा सके।

डा. पुंडीर ने कहा कि इतिहास

समाज के लिए अत्यंत उपयोगी विषय है। यह विषय हमें अपने महान देशभक्तों और महान व्यक्तित्वों के साथ जोड़ता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मानव संसाधन विकास केंद्र के नवनियुक्त निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने कहा कि शिक्षक समाज में एक जिम्मेदार ज्ञान उत्पन्न करने वाला तथा ज्ञान बांटने वाला ज्ञान संवाहक है। विषय समन्वयक डॉ. वन्दना पुनिया ने कहा कि तीन सप्ताह तक चलने वाला यह कोर्स प्रतिभागियों के लिए उपयोगी है। इस मौके पर विषय समन्वयक अनुराग सांगवान के अलावा विभिन्न शिक्षक संस्थानों से 30 से अधिक प्रतिभागी शामिल थे।



# GJUST offers to share campus facilities with affiliated colleges

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, JULY 28

The Guru Jambheshwar University of Science and Technology (GJUST) have offered the newly affiliated colleges located in Hisar region to share the infrastructural facilities like auditorium, sports grounds, NSS unit and laboratories available at the university campus.

The university organised a meeting with the colleges and institutes which have been affiliated with the GJUST after the higher education department recast the territorial jurisdiction of the state universities here today.

Prof Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, assured the representatives of the affiliated institutes that the university was dedicated to meet the expectations and

expressed eagerness to extend any kind of help in sorting out any issues and matters. "You can also share infrastructural facilities available at the campus as it will create a harmonious, healthy and promising relationship between affiliated colleges and the university," he said.

Dr Anil Kumar Pundir, Registrar, GJUST, while extending vote of thanks said the university would not only act a regulatory body but rather as a facilitator for its affiliated colleges.

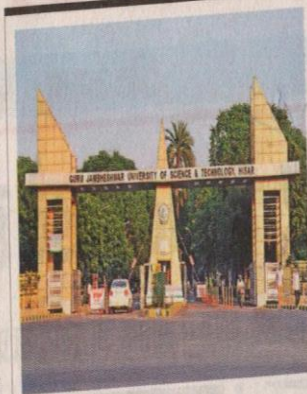
Prof NR Bishnoi, Dean of Colleges, presented a brief introduction of various courses, academics and administrative infrastructure of the university. More than 150 representatives including principals and directors of all the affiliated colleges of Hisar region attended the meeting.

# तनाव पर कंट्रोल कर इंटरव्यू का सामना सिखाएगी जीजेयू

जागरण संवाददाता हिसार : इंजीनियरिंग के विद्यार्थी किसी के प्रभाव में आकर गलत फैसले न लें और अपनी परीक्षा और प्रोफेशनल लाइफ में सुधार लाएं, इसके लिए जीजेयू ने एक नए विषय को इंजीनियरिंग कोर्स में शामिल किया है। जीजेयू के इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को अब परमैलिटी टेकनॉलॉजी विषय भी पढ़ाया जाएगा।

यहां नहीं इस विषय में विद्यार्थियों को डिफेंस और इंटरव्यू में होने वाले हाई लेवल इंटरव्यू का सामना करने के लिए तैयार किया जाएगा। हाल ही विश्वविद्यालय को अकेडमिक फार्मिडिटी का हार्डवैक में यह निर्णय लिया गया है।

चर्चान्वय समय में देखने में आ रहा है कि विद्यार्थियों में तनाव व गुस्सा बढ़ रहा है, वे दूसरे विद्यार्थियों के प्रभाव में आकर गलत फैसले ले लेते हैं। जिससे उनके आत्मविश्वास में कमी आती है और उनका व्यक्तित्व और प्रोफेशनल लाइफ में नुकसान हो पाता। विश्वविद्यालय



जीजेयू का मुख्य द्वार। • जागरण

## वे टॉपिक पढ़ाए जाएंगे

- परीक्षा व प्रोफेशनल लाइफ को कैसे टैक करें।
- तनाव बंधू हो है, कैसे कम करें।
- गुस्सा नियंत्रण कैसे करें, इसके नुकसान।
- व्यक्तिगत विकास में आने वाली कमजोरियों को पहचानकर कैसे दूर करें।
- अपनी दृष्टि को कैसे पहचानें
- विस्तृतानुष्ठ और निर्णय लेने की क्षमता को कैसे बढ़ाएं।
- व्यक्तित्व का आंकन कैसे करें
- दूसरी के प्रभाव में न आएं और व्यक्तित्व के अनुसार फैसले लें। • विस्तृतानुष्ठ सलाहकारों के साथ फॉर्मिडिटी कैसे हों।

मस्तिष्कगत कमीयों के अलावा सभी क्षेत्रों में लक्ष्य बढ़ाए और प्रतियोगिता भी बढ़ाए हैं। इससे विद्यार्थियों पर प्रभाव रह रहा है। हमें इसे हर हल में दूर करना है। विद्यार्थियों की अंतर्जाती भाषा मजबूत करने, कौशल विकास, नैतिक शिक्षा के साथ साथ उनके व्यक्तित्व का विकास होना जरूरी है। इसलिए हमने इंजीनियरिंग के कोर्स में परमैलिटी टेकनॉलॉजी विषय को जोड़ा है। प्रो. टैंकेश्वर कुमार, कुलपति, जीजेयू हिसार।

के एपनाइड (साइकोलॉजी विभाग के चेयरमैन प्रोफेसर डा. संदीप राणा ने बताया कि विद्यार्थियों को दिनों-दिन बर्बर रहते हैं और गुस्से की प्रकृति बढ़ रही है। वे स्वयं को कमजोरियों और दृष्टि के बारे में नहीं जान पा रहे हैं। ऐसे में जरूरी था

कि इस तरह का कोर्स शुरू किया जाए। यह कोर्स केवल बोटिक के विद्यार्थियों के लिए ही होगा। जो विभिन्न कोर्सों की विभिन्न कक्षाओं को किसी एक समेटकर पढ़ाया जाएगा। डा. संदीप राणा के अनुसार विद्यार्थी

आपने व्यक्तित्व के अनुसंधान करके तो सफरशा के अंश बढ़ जाते हैं। इसलिए विद्यार्थियों को पढ़ाए, कौशल और जीवन से संबंधित सभी फैसले अपने व्यक्तित्व के अनुसार ही लेने चाहिए। ऐसा तभी होगा जब अपने निर्णय लेने की क्षमता

बेहतर होगी और वे विश्लेषणात्मक शक्ति का प्रयोग कर बेहतर निर्णय लेंगे। वह विषय शुरू करने से विद्यार्थी अपने व्यक्तित्व का आंकन कर सकेंगे और अपनी कमजोरियों को दूर कर अपनी दृष्टि को बढ़ा सकेंगे।

The Tribune - 29/7/17

दैनिक जागरण - 30/7/17

# जिले के कॉलेजों के चार कोर्सों में जीजेयू का सिलेबस इसी सत्र से होगा लागू

बीबीए, बीसीए, एमकॉम और एमएससी मैथ कोर्सों का सिलेबस पढ़ाया जाएगा

जागरण संवाददाता, हिसार : जिले के सभी डिग्री कॉलेजों के चार कोर्सों में इस वर्ष से बदलाव किया जाएगा और विद्यार्थियों को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की बजाए गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय का सिलेबस पढ़ाया जाएगा। इन चार कोर्सों में बीबीए, बीसीए, एमकॉम और एमएससी मैथ विषय शामिल हैं। हाल ही में विश्वविद्यालय की जिले के प्राचार्यों के साथ हुई बैठक के बाद यह निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने अपने संबद्ध कॉलेजों के लिए यह पहला फैसला लिया है।

प्रदेश सरकार ने जिले के सभी 53 कॉलेजों को इसी सत्र से गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय से संबद्ध कर दिया था। इन कॉलेजों में बीएड व सामान्य डिग्री कोर्स करवाने वाले कॉलेज शामिल हैं। इंजीनियरिंग कोर्स पहले से ही जीजेयू से संबद्ध थे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने 28 जुलाई को सभी कॉलेजों के प्राचार्यों की बैठक की थी। जिसमें विभिन्न समस्याओं और बदलावों पर मंथन हुआ था। विश्वविद्यालय के डीन ऑफ कॉलेजिज प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने बताया कि सामान्य कोर्सों के कॉलेजों में जो कोर्स पढ़ाए जा रहे हैं, उनमें से चार कोर्स ऐसे हैं जो हमारे विश्वविद्यालय में पहले से हैं और उनका अधिकांश सिलेबस भी कॉलेजों में पहले से चल रहे सिलेबस से मिलता जुलता है। इसलिए हमने सभी कॉलेजों में इन चारों कोर्सों का सिलेबस शुरू करने का फैसला लिया है।

## 18 डिग्री कॉलेज हैं जिले में

जिले में बीए, बीकॉम, बीएससी आदि जनरल कोर्स करवाने वाले 18 कॉलेज हैं। जिनमें से 7 सरकारी, 7 गैर सरकारी और 4 सह-सरकारी कॉलेज हैं। इन कॉलेजों में से 8 कॉलेजों में उपरोक्त चार कोर्स पढ़ाए जाते हैं। इन कोर्सों में प्रथम वर्ष में करीब 1200 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।



कॉलेजों में पढ़ाए जाने वाले चार कोर्सों का सिलेबस बदलकर विश्वविद्यालय वाला सिलेबस लगाया गया है। यह सिलेबस केवल प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए ही लागू होगा। जो इसी वर्ष से शुरू हो जाएगा। प्रो. टैंकेश्वर कुमार, कुलपति, जीजेयू हिसार।

# ग्रेजुएशन में दाखिले का आज अंतिम दिन, कल से लगंगी नियमित कक्षाएं

जागरण संवाददाता हिसार : शहर के कॉलेजों में ग्रेजुएशन में दाखिले के लिए सोमवार को अंतिम दिन है। इसके बाद कॉलेजों में नियमित कक्षाएं लगंगी। जो विद्यार्थी अब तक भी दाखिले से वंचित हैं। वे कॉलेजों में दाखिले ले सकते हैं। शहर के सभी छह कॉलेजों में अभी तक सीटें खाली हैं। वहीं पीजी कोर्सों में भी दाखिला प्रक्रिया जारी है।

ऑनलाइन दाखिला प्रक्रिया के बाद हर बार की तरह इस बार भी कॉलेज में शैक्षणिक सत्र शुरू करने में करीब 15 दिनों की देरी हुई। अब तक कॉलेजों में कक्षाएं तो लगती रही हैं, लेकिन

## मिशन एडमिशन

- दाखिला प्रक्रिया लंबी खिंचने से कक्षाएं शुरू होने में हुई देरी
- कॉलेजों में कई कोर्सों की सीटें अभी भी खाली

नियमित तौर पर नहीं। इक्का दुक्का कक्षाएं ही लग पा रही हैं। 31 जुलाई तक दाखिला प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब एक अगस्त से कॉलेजों में नियमित कक्षाएं लगाने की संभावना है। वहीं कुछ कॉलेजों ने विभाग को अपने कॉलेज की कुछ कोर्सों की खाली सीटें भरने के लिए दोबारा पोर्टल खोलने के लिए

भी लिखा है। जाट कॉलेज के एडमिशन को-ऑर्डिनेटर डा. शमशेर सिंह दिल्ली ने बताया कि सोमवार को दाखिले का अंतिम दिन है। इसके बाद मंगलवार से अगर कोई विद्यार्थी अपने विषय में बदलाव करना चाहता है तो उसे मौका दिया जाएगा। इसके लिए उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा पोर्टल खोला जाएगा। वहीं विभाग से अब तक मिले निर्देश के अनुसार जिन विद्यार्थियों को ग्रेजुएशन में दाखिला लेना है, वे सोमवार तक अपनी लैट फीस के साथ दाखिला ले लें। उन्होंने बताया कि विभाग से सभी विद्यार्थियों के रोल नंबर आ गए हैं और ट्राईम टेबल भी बनाया जा चुका है।

दैनिक जागरण - 31/7/17